असम के राइनो हॉर्न का DNA प्रोफाइलिंग

[स्रोत: द हिंदू](#)

असम वन विभाग ने [भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII)](#) के सहयोग से **2,573 राइनो हॉर्न (गैंडे के सींगों) के नमूनों की** [DNA प्रोफाइलिंग](#) **पहल** शुरू की है, जिसका उद्देश्य **संरक्षण को सुदृढ़ करना** और **वन्यजीव अपराधों की जाँच को सशक्त बनाना है**।

राइनो हॉर्न की DNA प्रोफाइलिंग:

- **परिचय:** शिकार-रोधी और संरक्षण प्रयासों के तहत, वर्ष 2021 में जब्त और स्वाभाविक रूप से मृत गैंडों के सींगों के सार्वजनिक दहन के दौरान सुरक्षित रखे गए **राइनो हॉर्न (गैंडे के सींगों)** के नमूनों की DNA प्रोफाइलिंग की जा रही है।
  - ये नमूने मुख्यतः **शिकार के मामलों में जब्त किये गए हॉर्न** और **प्राकृतिक मृत्यु** से प्राप्त हुए हैं, जिनका **काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, असम** में सत्यापन किया गया।
- **आनुवंशिक विश्लेषण:** नमूनों को **भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII), देहरादून** भेजा गया है, जहाँ पर **RhoDIS (राइनो DNA इंडेक्स सिस्टम) भारत कार्यक्रम** के अंतर्गत **DNA** विश्लेषण किया जा रहा है।

RhoDIS इंडिया:

- **RhoDIS इंडिया**, जिसे **वर्ष 2016 में शुरू किया गया**, **पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC)**, राइनो की आबादी वाले राज्य, **भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII)** और **WWF-India** का एक **सहयोगात्मक प्रयास** है।
- इसका उद्देश्य वन्यजीव अपराध जाँच और [वन हॉर्न राइनो](#) के **आनुवंशिक संरक्षण** की योजना को समर्थन देने वाले **राष्ट्रीय फोरेंसिक डेटाबेस** में एकीकरण के लिये राइनो हॉर्न की व्यक्तिगत DNA प्रोफाइल बनाना है।

वन हॉर्न्ड राइनो *([illegible] [illegible])*:

- **ग्रेटर वन हॉर्न्ड राइनो** (या **भारतीय गैंडा**) राइनो की सबसे बड़ी प्रजाति है, जिसकी पहचान **8 से 25 इंच** लंबे **काले हॉर्न** और **कवच जैसी त्वचा की परतों** से होती है।
- यह सामान्यतः **एकाकी जीवन** जीता है और इसका **घरेलू क्षेत्र (home range)** एक-दूसरे से आंशिक रूप से मेल खाता है, लेकिन स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं होता। यह एक **चरने वाला शाकाहारी** है, जो मुख्य रूप से **घास**, साथ ही **पत्तियाँ, फल और जलीय पौधे** खाता है।
- **असम** में विश्व की **वन हॉर्न्ड राइनो की लगभग 80% आबादी** पाई जाती है, जिसमें से केवल **काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (1,300 वर्ग किमी)** में ही **70% राइनो** हैं (वर्ष **2022** के अनुसार)।
- **निरंतर संरक्षण प्रयासों** के कारण, **1980 के दशक से भारत के राइनो की आबादी में 170%** की वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2024 में लगभग **1,500 से बढ़कर 4,014 हो** गई है।

गैंडा RHINOCEROS

विश्व गैंडा दिवस- 22 सितंबर (2010 में WWF द्वारा घोषित)

गैंडे की 5 मुख्य प्रजातियाँ			
प्रजातियाँ	क्षेत्र, जहाँ पाए जाते हैं	IUCN की रेड लिस्ट में स्थिति	आवास
अफ्रीकन व्हाइट	अफ्रीका	संकट के निकट	लंबी और छोटी घास वाले सवाना क्षेत्र
अफ्रीकन ब्लैक	अफ्रीका	गंभीर रूप से संकटग्रस्त	अर्ध-रेगिस्तानी सवाना
एक सींग वाले गैंडे	एशिया	सुभेद्य	उष्णकटिबंधीय घास के मैदान
जावा	एशिया	गंभीर रूप से संकटग्रस्त।	उष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय वन
सुमात्रा	एशिया	गंभीर रूप से संकटग्रस्त।	सवाना की तरह ही

उजुंग कुलोन नेशनल पार्क (यूनेस्को WHS)
पृथ्वी पर अंतिम शेष जंगली जावा राइनो का घर है

एक सींग वाले गैंडे

केवल भारत में पाई जाने वाली प्रजाति (इंडियन राइनो)

विशेषताएँ

- 5 प्रजातियों में से सबसे बड़ी प्रजाति
- एक काली सींग और त्वचा की सिलवटों के साथ एक भूरे रंग की खाल से पहचाना जाता है

खतरे

- सींगों के लिये अवैध शिकार
- आवास की क्षति
- आनुवंशिक विविधता में कमी

संरक्षित क्षेत्र (भारत)

- **उत्तरप्रदेश :**
  - दुधवा टाइगर रिज़र्व
- **पश्चिम बंगाल :**
  - जलदापारा राष्ट्रीय उद्यान
  - गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान
- **असम:**
  - पबितोरा वन्यजीव अभ्यारण्य
  - ओरंग राष्ट्रीय उद्यान
  - काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान(गैंडों की अधिकतम संख्या: ~2400)
  - मानस राष्ट्रीय उद्यान

संरक्षण प्रयास (भारत)

- राष्ट्रीय राइनो संरक्षण रणनीति
- इंडियन राइनो विजन 2020 (2005 में लॉन्च)

एशियाई गैंडों पर नई दिल्ली घोषणा 2019

5 राइनो रेंज के 5 देशों (भारत, भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया और मलेशिया) द्वारा हस्ताक्षरित

Drishti IAS

और पढ़ें: सटेट ऑफ द राइनो, 2023

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dna-profiling-of-assam-rhino-horn